प्रेरणा तेरे जीवन से ले हम

तर्ज़ : इतनी शक्ति हमें देना दाता

प्रेरणा तेरे जीवन से ले हम
मां सविंदर एक रोशन सफर है
सत्य स्नेह समर्पण की मुरत
तेरे चरणोमे झुकता ये सर है (धु)

दुर करके भ्रमो के अंधेरे
तुने दि ग्यान की रोशनी है
करके राहो मे मां ये उजाले
तु ही रोशन मिनार बनी है
तेरी आंचल की छाया मे पाया धुप का ये मिटाया असर है (१)

सतगुरू के तु संग संग चली है
गुरू के वचनोमे हरदम ढली है
तेरी भक्ती की शक्ती के कारण
आनेवाली ये आंधी टली है
तन की करते हुवे ना तु पर्वा
बिन थके चल पडी हर डगर है (२)

पुज्य मां तुने बेटी बहु का
फर्ज भी है बखुबी निभाया
बने गुरसिख तो तेरे ही जैसा
कर्म करके हमे ये सिखाया

सदगुणो का तु भंडार है मां
रहमतो से भरी ये नजर है (३)

तेरे जीवन से एक पल भी लेकर
हम भी कर पाये कुछ तो ये अर्पण
प्रेम से दिल को जीते सभी के
तब सफल होगा दिन ये समर्पण
राजु करता है नित नित ये वंदन
तेरी महिमा का करके जिकर है (४)